दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सलारपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, लोरडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

8 लखनऊ, मंगलवार, 06 मार्च, 2018 फीचर राष्ट्रीय प्रस्तावना

भीषण वर्फ़ीले तूफानों से अमेरिका व ब्रिटेन का जन-जीवन ध्वस्त

प्रोफ. सिह ने एक दिन पहले आगाह किया !

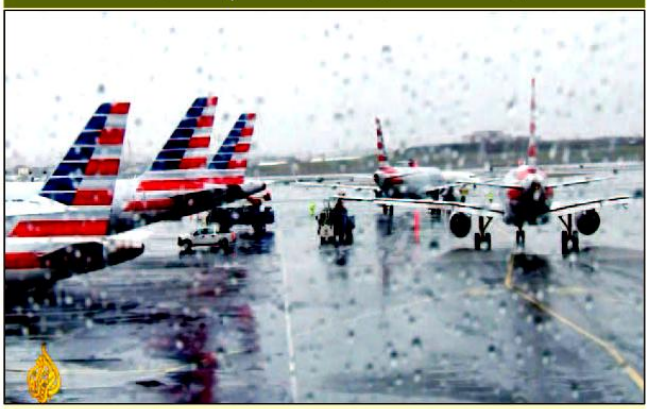

अमेरिका में वर्फीला तूफान जो 135-150 किमी / घंटा की गति से बोस्टन और कैलिफ़ोर्निया मे 03 मार्च 2018 को आया, मानव जीवन को अस्त-ब्यस्त कर दिया है और इसी तरह यूनाइटेड किंगडोम में ब्रिटेन आदि क्षेत्रो मे तापमान (-) 23 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है तथा वहा पर ऐसे समस्त क्षेत्रो मे, बिजली व विमान की भी सुविधाएं बाधित हो चुकी हैं।

वरिष्ठ पर्यावरणविद, डॉ0 भरत राज सिंह, जो स्कूल ओफ मैंनेजमेंट साईसेज, लखनऊ, मे महानिदेशक (तकनीकी), पद पर कार्यरत है, ने दिनांक 01 मार्च 2018 को पहले से ही, अक्षय ऊर्जा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन जो अनुसंधान एवं उद्योग में वर्तमान और भविष्य परिप्रेक्ष्य में, आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, लखनऊ द्वारा 28 फरवरी-01 मार्च 2018 को किया गया, संबोधित करते हुये आगाह कर चुके थे कि तूफानो की विभीसिका अमेरिका व यू0के0 मे लागातार आती रहेगी ।

प्रोफे0 सिंह ने बहुत ही स्पष्ट रूप से प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और छात्रों इसके बारे मे अपने शोध को स्पष्ट किया है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव मे अब कोई वापसी नहीं हो सकती है। हम इसे - केवल ग्रीन एनर्जी विशेष रूप से ÷सौर और पवन÷ जैसी स्वच्छ अक्षय-ऊर्जा का अत्यधिक उपयोग करके ही - कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे स्थानों में भारी तूफान, हिमपात और बारिश से लगातार ग्रस्त होने के कारण, वहा के निवासियो को अपनी सुरक्षा के लिए नए स्थान का चयन करना होगा क्योंकि मौजूदा जगहे उनके जीवन के लिए अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस स्थिति से वह 2015 में अपनी प्रकाशित पुस्तक-ग्लोबल वार्मिंग-कॉज़ेस, इम्प्लिकेशंस एंड रेमेडीज में पहले से दर्ज कर चुके है, जो इनटेक पब्लिशर्स, क्रोएशिया द्वारा प्रकाशित की गई है । उनके द्वारा पुनः दिनांक 01 मार्च 2018 को इस घटना की पुनरावृत्ति हेतु आगाह किया जाना और फिर से अमेरिका व ब्रिटेन मे 2 मार्च 2018 को घटित होना इसे कोई आश्चर्य की बात नही मान रहे है, यह स्थिति वहा पर लगातार आती रहेगी, ऐसा उनका मानना है।

डॉ0 भरत राज सिंह,
वरिष्ठ पर्यावरणविद व महानिदेशक (तकनीकी),
स्कूल ओफ मैंनेजमेंट साईसेज, लखनऊ